धर्मराज युधिष्ठिर

(महाकाव्य)

प्रणेता
रमाशंकर मिश्र

Scanned with OKEN Scanner

स्वत्वाधिकारी— रमाशंकर मिश्र

संस्करण— प्रथम सन् 2006

प्रकाशक— रमाशंकर मिश्र

(निवर्तमान प्रधानाचार्य)
बबेरू-बाँदा उ० प्र०।

मूल्य— एक सौ दस रु०

मुद्रक— कुशवाहा प्रिंटिंग प्रेस
बबेरू (बाँदा) उ० प्र०।

DHARMRAJ UDHISHTHIR by Ramashankar Mishra

धर्मराज युधिष्ठिर रमाशंकर मिश्र

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

1. रचनायें, विशेष	अ, ब
2. प्राक्कथन	*i*
3. मंगलाचरण	1
4. पृथा	2
5. वात्सल्य	23
6. आपदा	44
7. निर्वैर	61
8. अक्रोध	78
9. पावित्र्यौदार्य	113
10. त्याग	125

Scanned with OKEN Scanner

रचनायें

महाकाव्य

1. स्वामी विवेकानन्द	(प्रकाशित)
2. भीष्म पितामह	(प्रकाशित)
3. लवकुश	(प्रकाशित)
4. साध्वी द्रौपदी	(प्रकाशित)
5. महासती अनसूया	(प्रकाशित)
6. महानारी मदालसा	(प्रकाशित)
7. भगिनी निवेदिता	(प्रकाशित)
8. धर्मराज युधिष्ठिर	(प्रकाशित)
9. भक्तप्रवर सम्राट् ध्रुव	(प्रकाशनाधीन)

कविता संग्रह

1. अंतर्यात्रा	(प्रकाशित)
2. सरस स्वर	(प्रकाशित)
3. प्रयोगवादी आयाम	(प्रकाशित)
4. विविध–भाव तरंगें	(प्रकाशित)
5. नयी कवितायें	(प्रकाशित)
6. नवीन भावगीत	(प्रकाशनाधीन)

खण्ड काव्य

1. सुलोचना का सतीत्व	(प्रकाशित)
2. महादेवी राज्यश्री	(प्रकाशित)
3. डा0 ऐनीबेसेण्ट	(प्रकाशित)
4. राजर्षि मांधाता	(प्रकाशित)
5. इन्द्राणी	(प्रकाशनाधीन)

विशेष

1. सन् 1985 में एवं सन् 1991 में 5 सितम्बर शिक्षक– दिवस–समारोह में जिला शिक्षक–कल्याण–समिति द्वारा विशिष्ट सम्मान प्राप्त।

Scanned with OKEN Scanner

पावित्र्यौदार्य

जन श्रेष्ठ युधिष्ठिर धर्मराज,
अज्ञातवास करते सहर्ष।
पांचाली अरु अनुजों के संग,
था बीत रहा शुभ एक वर्ष।।

आवास विराटनगर सुंदर,
सब गुप्त रूप से वहाँ बसे।
था वातावरण शांतिपूरित,
सर्वत्र सौख्य, सौजन्य लसे।।

तब उनके अन्वेषण के हित,
कौरव प्रयास करते अनेक।
पर नहीं चला कुछ पता उन्हें,
सारे प्रयत्न नाशक विवेक।।

नाना प्रकार के बहु प्रयत्न,
जो सभासदों ने बतलाये।
निष्फलतापूरित हुये सभी,
वे खोज न पाण्डुपुत्र पाये।।

श्री भीष्मपितामह ने उनसे,
अंततः एक ही युक्ति कहा।
जिसमें कौरवों आदि के हित,
उपदेश सहित सद्भाव महा।।

"सुनलो दुर्योधनादि तुम सब,
पाण्डव हैं सदाचरण में रत।
उपयुक्त नहीं कुत्सित उपाय,
कर रहे तुम सभी जो संतत।।

Scanned with OKEN Scanner

कवि की जीवन रेखा

नाम	– रमाशंकर मिश्र ।
पिता	– वैद्य स्व० श्री रामकृष्ण मिश्र शास्त्री, आयुर्वेदाचार्य (कान्यकुब्ज ब्राह्मण, बैजे गाँव के मिश्र) ।
माता	– स्व० श्रीमती सुन्दर देवी मिश्रा ।
धर्मपत्नी	– श्रीमती शैल कुमारी मिश्रा ।
जन्म तिथि	– भाद्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी संवत् 1991 ।
जन्म स्थान	– दारागंज, प्रयाग (उ० प्र०) ।
पिता का जन्म स्थान	– यमुना तट पर स्थित ग्राम समगरा–मर्का (बाँदा) ।
पिता का निवास स्थान	– सर्वप्रथम कतिपय वर्ष दारागंज, प्रयाग एवं तत्पश्चात कर्वी (चित्रकूट) उ0प्र0
शिक्षा	– एम.ए. (अंग्रेजी) इलाहाबाद विश्वविद्यालय, एम.ए (हिन्दी) आगरा विश्वविद्यालय, साहित्य रत्न (हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग), एल.टी. (सेवाकालीन) के.पी. ट्रेनिंग कालेज इलाहाबाद ।
स्थायी आवास	– साहित्य सदन, बबेरु (बाँदा) ।
सेवा स्थल	– श्री जे.पी. शर्मा इण्टर कालेज, बबेरु (बाँदा) में प्रवक्ता एवं प्रधानाचार्य के रूप में अगस्त 1957 से जून 1995 तक कार्यरत रहे ।
वर्तमान पता	– रमाशंकर मिश्र, निवर्तमान प्रधानाचार्य, साहित्य सदन, बबेरु जनपद बाँदा फोन : 9415569875

मुद्रक: कुशवाहा प्रिंटिंग प्रेस बबेरु (बाँदा) उ.प्र.

Scanned with OKEN Scanner